3. हम भारतवासी (कविता)

आर. पी. निशंक

कवि परिचय:

कवि का नाम	:	आर. पी. निशंक
साहित्यकारों में स्थान	:	आधुनिक हिन्दी साहित्यकारों में विशिष्ट स्थान
रचनाओं में मुख्य प्रतिपाध विषय	:	देशभक्ति
प्रमुख रचनाएँ	:	समर्पण, नवंकूर, मुझे विधाता बनना है, तुम भी मेरे साथ चलो, जीवन पथ में, मातृभूमि के लिए, कोई मुश्किल नहीं आदि। इनकी कविताओं में सत्य, अहिंसा, त्याग और समर्पण की भावनाएँ हैं ।

సారాంశం:

భారతీయులమైన మనం ప్రపంచాన్ని పావనధామంగా మారుద్దాం. మనసులో శ్రద్ధ, ప్రేమల అద్భుత దృశ్యాలను చూపుదాం. ఎక్కువ, తక్కువ అనే భేద భావాలను తొలగించి హృదయాన్ని ప్రేమతో నింపుదాం. ఈర్ష్య, ద్వేషం అనే మంచు తెరలను తొలగించి, అమృత రసాలను చిలికిద్దాం. నిరాశను దూరం చేసి, ఆశను నింపి, విశ్వాసాన్ని మేల్కొలుపుదాం. సమస్యల్లో చిక్కుకుని ఊగిసలాడుతున్న ప్రజలకు యదార్థాన్ని తెలుపుదాం. జీవన గమ్యంలో దారితప్పిన వారికి సరైన దారి చూపుదాం. సంతోష దీపాలతో జీవన జ్యోతులను వెలిగిద్దాం.

సత్యం, అహింస, త్యాగం, సమర్పణలాంటి తోటలను పెంచుదాం. ప్రపంచంలోని కష్టాలన్నీ తొలగించి భూమిని స్వర్గంలా తీర్చిదిద్దుదాం. విశ్వ బంధుత్వ మూలమంత్రాన్ని ప్రపంచంలో శోభింపజేద్దాం. భారతీయులమైన మనం ప్రపంచాన్ని పావనధామంగా మారుద్దాం. మనసులో శ్రద్ధ, ప్రేమల అద్భుత దృశ్యాలను చూపుదాం.

www.eenadupratibha.net

शब्दार्थः

दुनिया = संसार, ప్రపంచం, World

पावन धाम = पवित्र, पुण्य क्षेत्र, పవిత్ర/పుణ్యక్షేత్రం, Holy Place

श्रद्धा = भक्ति భక్తి, Devotion

ऊँच-नीच = उत्तम-अधम, ఎక్కువ-తక్కువ, Ups and Downs.

मिटाना = दूर करना , తొలగించుట, to remove

बसाना = ठहराना, స్థాపించుట, to establish

नफरत = द्वेष , ద్వేషం, hesitation

तोडना = टुकडे करना , విరుచుట, to break

कुहासा = कुहसं, పొగమంచు, de

सरसाना = रस्पूर्ण करना, आनन्दित करना, రసయుక్తం చేయడం, రసవంతం చేయడం, to cause the flowrish

भगाना = हटाना , తొలగించడం, to remove

जगाना = उठाना , మేల్కొల్పుట, to wake up

उलझन = कठिनाई, चिंता , కష్టం/దుఃఖం, complication

उलझना = अटकना, చిక్కుకొనుట, to Perplex

तथ = वास्तविक ,వాస్తవమైన, Actual

भटकना,=व्यर्थ घूमना దారితప్పి తిరగడం, to lose the path

राह/पथ = मार्ग, మార్గం, దారి, Way

जलाना= प्रज्वलित करना, వెలిగించడం, to lighten

बगिया = बाग/उद्यान తోట, Garden

महकाना = सुशोबिथ करना, పరిమళించడం, to perfume

क्लेश = दुःख , కష్టం/దుఃఖం, Trouble

धरती = भूमि, భూమి, The Earth

मूल = मुख्य, ముఖ్యమైన/అసలైన, Original

मन = अंतःकरण, మనసు, The Mind

प्रेम = प्यार , ప్రేమ, Love

www.eenadupratibha.net

अद्भुत = **विचित्र,** అద్భుతమైన, Wonderful

ऊँचे - नीचे = **भेद-भाव,** ధనిక - పేద, High and low

भेद = **अंतर,** భేదం, difference

दिल = **मन,** మనసు, Heart

बसना = **लोगों को रहने की जगाह देना,** ఉంచుట, to colonise

कविता का सारांश:

कविता का शीर्षक	:	हम भारत वासी
कवि का नाम	:	श्री आर. पी. निशंक
प्रमुख रचनाएँ	:	समर्पण, निवंकूर, मुझे विधाता बनना है, जीवन पथ में आदि।
रचनाओं में मुख्य प्रतिपाद्य विषय	:	देश भक्ति

विषय वस्तु:

- इस कविता में कवि देश भक्ति के साथ-साथ विश्व बन्धुत्व, विश्वशांति, सत्य, अहिंसा, त्यावा, समर्पण आदि सद्गुणों का विकास छात्रो में करते हैं ।
- कवि कहते है कि हम भारतवासी दुनिया को पवित्र-स्थान बनायेंगे । मन मे श्रद्धा और प्रेम का **अद्भुत** दृश्य दिखायेंगे।
- हम सब में ऊँच-नीच का भेद मिटाकर हृदय में प्यार, मुहब्बत बसायेंगे।
- नफरत रुपी कुहासा को तोडकर हम अमृत रस को सरसायेंगे।
- हम निराशा को दूर भगाकर हरेक मनुष्य में फिर से विश्वास को जगायेंगे।
- कवि कहते है कि उलझनों में फँसे लोगों को तय्य दीप समझायेंगे ।
- जीवन पथ से भटकते रहनेवालों को राह दिखायेंगे। हम खुशियों के दीप जलाकर जीवन ज्योत जलायेंगे ।
- हम सत्य, अहिंसा, शांति, त्याग और समर्पण की बगिया को महकायेंगे।
- जग के सारे क्लेशों को मिटाकर धरती को स्वर्ग बनायेंगे । विश्व बन्धुत्व की मूल मंत्र को हम दुनिया में सरसायेंगे ।

विशेषता:

भारतवासी होने के नाते हम दुनिया को पवित्र स्वर्ग बनाएँगे । हमारे मन में भरे हुए श्रद्धा और प्रेम का दृश्य सभी को दर्शाएँगे ।

Prepared by:
Bollu Ramamohan
M.A.,M.Phil. , Ph.D. in Hindi

www.eenadupratibha.net